वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 103 | गुरुवार 10 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सीएम गहलोत बोले

राजस्थान में होगी जातिगत जनगणना, मूल ओबीसी को अलग से मिलेगा 6% आरक्षण

जयपुर. कासं। राजस्थान में साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य में में सत्ताधारी कांग्रेस जहां फिर से सत्ता में वापस आने की पूरी कोशिश कर रही है। विश्व आदिवासी दिवस पर कांग्रेस नेता और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी बांसवाड़ा के मानगढ़ आए थे। इस बीच, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी वहीं मौजूद थे। सभा को संबोधित करते हुए सीएम गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी की मंशा है कि जातिगत जनगणना होनी चाहिए और हम भी चाहते हैं कि यह जनगणना राजस्थान से शुरू हो और जिसका जितना अधिकार हो, उसे उतना अधिकार मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री गहलोत ने ओबीसी आरक्षण को लेकर भी एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने अपने भाषण में ओबीसी का आरक्षण 21 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी करने और मूल ओबीसी को अलग से 6 फीसदी आरक्षण देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री की इस घोषणा ने राजनैतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। चुनावी साल होने के चलते माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने बड़ा दांव खेलकर ओबीसी वोटबैंक को साधने की कोशिश की है।

सीएम के आदेश का असर; जयपुर में मनचलों पर चलेगा डंडा

पांच हेल्पलाइन जारी होंगी, 200 हॉट-स्पॉट का करेंगे रिव्यू। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की घोषणा के तुरंत बाद ही जयपुर कमिश्नरेट की पुलिस ने शहर में बैठे मनचलों पर सख्ती करने की तैयारी शुरू कर दी।

जयपुर. कासं

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने शहर के सभी हॉट स्पॉट का रिव्यू करके निर्भया स्क्वायर्ड की विस्तार करने के आदेश दे दिए। ये कार्य एडिशनल कमिश्नर राहुल प्रकाश सुपरविजन में एडिशनल डीसीपी रानू शर्मा संभालेगी। जो शहर में पहले से चिन्हित 200 से ज्यादा हॉट स्पॉट को रिव्यू करके सूची अपडेट करेंगे और उसके बाद निर्भया टीम का विस्तार कर कार्रवाई शुरू करवाएंगे। इसके लिए निर्भया टीम सतर्क जयपुर-सुरक्षित जयपुर के नाम से विशेष अभियान शुरू करेगी।

एसएचओ को पाबंद किया जाएगा

निर्भया स्क्वायर्ड को कार्रवाई में सहयोग करने के लिए कमिश्नरेट के सभी एसएचओ को पाबंद किया जाएगा और सभी थानों की चेतक से जोड़ा जाएगा। निर्भया स्कवायर्ड की टीम सोशल मीडिया ग्रुप के जरिए जुड़ी रहेगा। जिस पर वह अपने प्वाईंट की करंट लोकेशन शेयर करेगी, ताकि कोई सूचना मिले तो तुरंत टीम को मौके पर भेजा जा सके।

सतर्क जयपुर: अभियान में निर्भया स्क्वायर्ड की टीम सुरक्षा सखी, पुलिस मित्र व सीएलजी मेंबर के साथ मिलकर स्कूल-कॉलेज, धार्मिक संगठन के सहयोग से शहर में बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को महिलाओं

से संबंधित कानून की जानकारी देंगे, ताकि कोई भी पीड़ित महिला व युवती किसी तरह की सूचना को छुपाएं नहीं।

सुरक्षित जयपुर: इस अभियान के तहत सबसे पहले महिलाओं की सहायता के लिए 5 हेल्पलाइन नंबर जारी करेंगे। जिनकी 24 घंटे मॉनिटरिंग होगी, इस हेल्पलाइन पर आने वाली सभी शिकायतों की सूची बनाकर संबंधित पुलिस थाने को कार्रवाई के लिए भेजी जाएगी और उसके बाद आगे भी उसे फॉलोअप किया जाएगा। इन पांचों हेल्पलाइन पर वाट्सएप सुविधा रहेगी। जिस पर कोई महिला लिखित शिकायत, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग भेज सकती है। उस पर तुरंत एक्शन लिया जाएगा।

हम लाएंगे खुशियां अभियान के तीसरे चरण की शुरूआत

वुमेन एंपावरमेंट और चाइल्ड वेलफेयर थीम पर होगा काम, 70 लाख की राशि की होगी चैरिटी

जयपुर

सीतापुर स्थित एनएवी बैक ऑफिस की ओर से हम लाएंगे खुशियां अभियान के तीसरे चरण की शुरूआत एक समारोह के साथ की गई। कंपनी के सभी सदस्य कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे। कंपनी के एमडी अनिल अग्रवाल ने बताया कि इस साल इस अभियान की थीम वुमेन एंपावरमेंट एंड चाइल्ड वेलफेयर रखी गई है, जिससे जरूरतमंद महिलाओं एवं बच्चों को एंपावर किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि कंपनी की ओर से 2300 कर्मचारियों के अनुसार प्रति कर्मचारी 3000 रुपए के अनुसार लगभग 70 लाख रुपए की राशि इस अभियान के दौरान चैरिटी में दी जाएगी। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षाविद जयश्री पेरीवाल ने इस अभियान की विधिवत शुरूआत की और

कंपनी की ओर से शुरू किए गए इस अभियान की निरंतर सफलता पर खुशी जाहिर की। कंपनी के एचआर हेड लवलिश रुपाणी ने संबोधित करते हुए कहा कि यह अपनी तरह का एक यूनिक प्रोग्राम है, इससे वास्तव में जरूरतमंदों तक नियमित रूप से मदद पहुंचाई जाती है एवं उनके जीवन में परिवर्तन लाने का प्रयास किया जाता है। इस अवसर पर कंपनी की विभिन्न टीमों के सदस्यों ने इस बार चैरिटी अभियान को लेकर अपनी कार्य योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। एमडी अनिल अग्रवाल ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से टीम भावना का भी विकास होता है और एक टीम के सभी सदस्य एकजुट होकर एक चैरिटी वर्क करते है। कंपनी सीएसआर के नियम शुरू होने से पहले भी चैरिटी वर्क में काम करती रही है। एनएवी प्रदेश की एकमात्र ऐसी ऑर्गेनाइजेशन है जहां 600 से ज्यादा सीए एक साथ काम करते है। उन्होंने बताया कि सीएसआर एक्टिविटी में सिर्फ मैनेजमेंट ही नही सभी कर्मचारियों को भी समाहित करने के उद्देश्य से इस अभियान मे सभी को शामिल किया जाता है।

जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति की सावन की गोठ संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति की सावन की गोठ का भव्य कार्यक्रम जॉय रिजॉर्ट फागी में आयोजित किया गया। अध्यक्ष डाक्टर शीला जैन और मंत्री

पुष्पा सोगानी के नेतृत्व में 250 से अधिक सदस्य सावन की गोठ का आनंद लेने हेतु जॉय रिजॉर्ट फागी पहुँची। जहाँ उन्होंने स्विमिंग के साथ अड्वेंचर्ज.का भी भरपूर आनंद लिया। नीरा लुहाड़िया ने बताया कि श्रीमती मधु ठोलिया एवं श्रीमती सुनीला झाँझरी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर दादाबाड़ी व आदिनाथ जैन मंदिर के दर्शन कर मन प्रसन्न हो गया।

दुर्गापुरा महिला मंडल का मनोरजक सावन उत्सव संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दुर्गापुरा महिला मंडल का सावन उत्सव हवाई जहाज वाटर पार्क में 9 अगस्त को मस्ती, मनोरंजन व म्यूजिक धमाल के साथ संपन्न हुआ। अध्यक्ष रेखा लुहाडिया व मंत्री रानी सौगानी सोगानी ने बताया कि प्रातः 11 बजे ए सी बस से रवाना होकर सभी सदस्य वाटर पार्क पहुंचे। जहां पर सभी ने स्वीमिनिग , रेन डांस म्यूजिक का भरपूर लुफ़्त उठाया और रात्रि में वापस आये।इस अवसर पर।रेखा लुहाड़िया, रानी सोगानी, चंदा सेठी, रितु चादवाड़, रानी क्वीन शिल्पी का, सीमा सेठी, रेखा पाटनी वर्षा अजमेरा, रेनू पंड्या आदि सदस्य उपस्थित रहे।

मैत्री ट्रेड फेयर 11 से 13 अगस्त को चन्द्रप्रभु जैन मंदिर परिसर, दुर्गापुरा, टोंक रोड जयपुर पर

प्रातः 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक होगा आयोजन

जयपुर

मैत्री ट्रेड फेयर 11 से 13 अगस्त को चन्द्रप्रभु जैन मंदिर परिसर, दुर्गापुरा, टोंक रोड जयपुर पर प्रातः 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक आयोजन होगा ।ग्रुप के अध्यक्ष सुनील - मोनिका गोदिका व सचिव अजय - शशिरानी जैन ने बताया कि फेयर में साड़ी,कुर्ता,राखियाँ, बेडशीट्स, जेंट्स शर्ट,पेंट,ब्लाउज, क्रॉकरी,गिफ्ट आइटम, किचिन मेड के उपकरण,किचन प्रोडक्ट, सोलर, आचार,मसाले, LED TV व अन्य इलेक्ट्रॉनिक आइटम, मुखवास जैसे कई प्रोडक्ट साथ ही फ्री हेल्थ चेकअप, जॉब कंसलटेंसी, जीवन बीमा की जानकारी, आयकर की जानकारी उपलब्ध होगी। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस एवं राखी के अवसर पर आयोजित ट्रेड फेयर में विभिन्न वस्तुओं को उचित दाम पर उपलब्ध करवाना ही इसका मुख्य उद्देश्य हैं। दि.जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन व जयपुर रीजन के सानिध्य में आयोजित फेयर के मुख्य आयोजक कर्तादिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री जयपुर हैं।

हम सब लोग भावनाओ के माध्यम से अपने को बनाये: आचार्य श्री आर्जव सागर जी

सुभाष गंज मैदान में धर्मसभा का हो रहा है आयोजन

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

हम सब लोग भावनाओ के माध्यम से अपने को पावन बनाये ध्यान के लिए आवश्यक उपाय किए बिना मन विचलित हो जाता है प्रतिकूलता और बाधाओ के बीच ध्यान करना बहुत कठिन होता है। प्रतिकूलता में भी अपने मन को स्थिर करना कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं है जब आप अपने चित्त की चंचलता को धीरे-धीरे रोकते चले जाते हैं तो तमाम तरह की बाधाओ में भी ध्यान की स्थिति वन सकती है हमने कर्म की स्थिति पर बहुत गहन विचार किया है जिन्हें समीचीन धर्म के स्वरूप का ज्ञान नहीं होता उन्हें धर्म की मूल भावना समझ में नहीं आ सकती घर दुकान में रहते हुए धर्म ध्यान नहीं हो सकता करते हुए राग भजोगे तो पुण्य की प्राप्ति नहीं होगी वीतराग होगा तो पुण्य मिलेगा नो ग्रह क्या है ये भी भवनत्रिक देव हैं यहां से नो सात सौ नव्वे योजन की दूरी पर रहते हैं ये ऊर्धलोक के देव है जो विमानो में निवास करते हैं उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज मैदान में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज ने व्यक्त किए। धर्म सभा में मध्य प्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आचार्य श्री आर्जवसागरजी महाराज द्वारा रचित तीर्थोदय काव्य के आहार विधिक विषय पर तेरह और चौदह अगस्त को एक राष्ट्रीय आयुर्वेद चिकित्सकों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें दिल्ली से सुप्रसिद्ध नियोरो सर्जन डॉ डी सी जैन भोपाल से डा अरविंद जी पूणार्यू आर्यवेदिक संस्थान जवलपुर से डा सौरव जैन डॉ मनोज जैन सहित अन्य चिकित्सको दल आ रहा है जो तीर्थोदय काव्य संग्रह आयुर्वेद चिकित्सा संगोष्ठी में अपने विशेष आलेखो का वाचन करने के साथ ही विशेष शतो के उपरांत आम जनों को भी देखेंगे और चिकित्सा परामर्श देंगे दो दिविसिये संगोष्ठी में में छः सत्रों के साथ ही दो विशेष सत्र दोपहर वारह वजे से ढाई वजे तक होंगे जिसमें आप रोगी चिकित्सकों से सलाह लें सकेंगे पंचायत कमेटी के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई सहित पंचायत कमेटी ने सभी तैयारियां को बैठकर अंतिम रूप दिया इसके पहले धर्म सभा में दीप प्रज्जवलित कर आचार्य श्री की पूजन का सौभाग्य पंचायत व ट्रस्ट कमेटी ने प्राप्त किया। उन्होंने कहाकि आठ दुर्गतियो से वचने के लिए सम्यक की आवश्यकता होती है सम्यक के प्रभाव से कोई दरिद्र नहीं होता विकलांग और तिर्यच नहीं होता मात्र अपनी श्रद्धा को सही करना है अपनी श्रद्धा को मजबूत करना है इसी से आपकी ब्रत नियम संयम लेने की भावना वनती है मिथ्यात्व की वीमारी यह जीव को अधोलोक की ओर ले जाती है।

स्वतंत्रता दिवस-रक्षाबंधन के अवसर दिगंबर जैन समाज की युवतियों-महिलाओं ने रखा सर्वसमाज का दो दिवसीय 'सावन मेला'

इंदौर जूनियर अमिताभ बच्चन देंगे प्रस्तुति, 14-15 अगस्त को होगा आयोजन, धार्मिक-सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं होगी

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। रक्षाबंधन और स्वाधीनता दिवस के अवसर पर सकल दिगम्बर जैन समाज युवा वेलफेयर सोसायटी, इंदौर ने दो दिवसीय सर्वसमाज का ''सावन मेला'' का आयोजन रखा है।इसमें आमजन हेतु धार्मिक-सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं के साथ खरीदी हेतु स्टॉल आकर्षक झूलों को आनंद मिलेगा। यह जानकारी देते हुए महिला प्रकोष्ठ की महासचिव सोनम जैन ह्लअभिनंदनह्व, मार्गदर्शक पूजा कासलीवाल और मेला को-ऑर्डिनेटर सलोनी जैन ने बताया की सावन मेला धार रोड स्थित बालकृष्ण बाग में लगेगा। मेले के आयोजक युवा प्रकोष्ठ के सरंक्षक राहुल सेठी, महिला प्रकोष्ठ की सरंक्षक रेखा शरद जैन और कल्पना सुनिल जैन है। मेले का शुभारम्भ 14 अगस्त को सुबह 9.30 बजे शहर के विभिन्न समाजों की प्रमुख प्रतिष्ठित महिलाओं द्वारा किया जाएगा। समापन 15 अगस्त की रात 10 बजे होगा। 14 अगस्त को एक शाम देश के नाम संगीतमय आयोजन होगा। इसी तरह मिसेज सावन, सास बहू की जोड़ी कमाल कि सहित अनेक प्रतियोगिता होगी। इसमें जूनियर अमिताभ बच्चन द्वारा स्पेशल प्रस्तुति दी जाएगी।

जैन समाज के एक युग का अंत: डॉ गौरव जैन

शाबाश इंडिया। आपके जीवन मे कुछ लोग उस वक़्त आपको आगे बढ़ने में मदद करते हैं, प्रोत्साहित करते हैं जब आप अपने कार्यक्षेत्र या हुनर के पहले पायदान पर होते हैं। जैन समाज की एक ऐसी ही विराट शख्सियत, सरलता, कर्मठता, नेतृत्व क्षमता तथा सकारात्मकता का जीवंत उदाहरण रहे आदरणीय श्री महेंद्र कुमार जैन पाटनी साहब का आकस्मिक निधन सही मायनों में सम्पूर्ण जैन समाज के लिए, हमारे सौगानी परिवार के लिए और मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से अपूरणीय क्षति है। बचपन से आप द्वारा बापूनगर सम्भाग के कार्यक्रमों में भजन गायन के लिए मंच प्रदान करना, सदैव प्रोत्साहित करना, समाज के अनेक जिला स्तरीय ,राज्य स्तरीय धार्मिक आयोजनों में ,महावीरजी तीर्थक्षेत्र के कार्यक्रमों में आमंत्रित करना कभी भुलाया नहीं जा सकता। आप सदैव एक ऐसी मिसाल बनकर रहेंगे जिसने बिना धनबल और बिना किसी बड़े सरकारी पद के केवल अपनी निष्ठापूर्ण ,अद्वितीय ,ईमानदार कार्यशैली तथा मधुर व्यवहार से लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई। आप सदा एक प्रेरणा स्त्रोत बनकर रहेंगे लेकिन आपका जाना सम्पूर्ण जैन समाज के लिए एक युग का अंत है। आपको शत शत नमन।

डॉ ज्ञानचंद-आशा, गायक डॉ गौरव -दीपशिखा जैन सौगानी एवम समस्त सौगानी परिवार (चनानी वाले)

वेद ज्ञान

सुख की तलाश

हम सभी प्रायः दुख से दूर भागते हैं और हम सबको सुख की चाह, सुख की तलाश होती है। दुख को प्रायः तीन प्रकार का माना गया है। पहला दैहिक यानी शारीरिक कष्ट या शारीरिक विकृति आदि। दूसरा दैनिक यानी अचानक टूट पड़ने वाली विपत्ति जिसे ईश्वरीय दंड कहा जाता है। तीसरा है, भौतिक जिसका आगमन संसार से होता है, जैसे-दरिद्रता, दुश्मनी, अपयश और न्यायिक दंड आदि। इन सबका आगमन हमारे जीवन में न हो और हम सदा सुखी बने रहें, यही हमारी कामना होती है, किंतु क्या ऐसा संभव है कि हवा भी चले और पेड़ का पत्ता भी न हिले? सिक्के का एक पहलू तो हम अपने हाथ में ले लें और दूसरा हमारे हाथ से बाहर रहे। जी नहीं इस सतत परिवर्तन में व्यस्त प्रकृति के आंचल में ऐसा संभव नहीं। जो कुछ इस प्रकृति में जन्मा है, उसे प्रकृति के नियम बांधेंगे ही। हमें उनमें बंधना ही पड़ेगा। हां अगर उसका हमें पता चल जाए जो प्रकृति के, शरीर के पार है तो हम प्रकृति का अतिक्रमण कर सकते हैं, किंतु उस स्थिति में हमें सुख-दुख दोनों का ही अतिक्रमण करना होगा। कारण यह कि सुख और दुख दोनों ही प्रकृति से आते हैं। इसलिए दोनों ही हमारे शरीर में उत्तेजना लाते हैं। बहरहाल निराश होने की आवश्यकता नहीं है। सुख का सागर उपलब्ध हो सकता है। जीवित अवस्था में भीतर मौजूद परमात्म तत्व की प्रतीति ही परमानंद अर्थात सुख का सागर है। इसी सुख के सागर की तलाश में महात्मा बुद्ध, महावीर भटके और फिर इसे पाने के बाद तटस्थ हो गए। वे सब के सब संसार में भटकते रहे, किंतु उन्हें स्वयं को क्षीण कर लेने के अतिरिक्त कुछ न मिला था। कारण यह कि जिसे वे बाहर तलाश रहे थे, वह उनके भीतर ही मौजूद था। जिसे हम ढूंढ़ रहे हों, उसकी ओर हमारी पीठ हो तो हम उसे कितनी ही दूर क्यों न खोजते चले जाएं, वह हमें मिलेगा कैसे? इसलिए हमें किसी भी बाहरी आडंबर में उलझने के बजाय उस परम तत्व की खोज की यात्रा पर निकलना ही होगा, लेकिन आश्चर्य कि हमें धन, यश, पद कुछ भी हासिल करना हो तो हम अपने श्रम पर विश्वास करते हुए दिन-रात एक कर देते हैं, किंतु जब बात परमात्म तत्व की खोज की होती है तब हम सोचते हैं कि कोई हमें प्रदान कर दे। स्वाभाविक है कि ऐसा संभव नहीं। तैरना है तो हमें पानी में उतरना ही होगा।

संपादकीय

विध्वंस के विरुद्ध अदालत की रोक

हरियाणा के नूंह में ब्रजमंडल धार्मिक यात्रा पर हुई पत्थरबाजी के बाद प्रशासन ने वहां अवैध निमार्णों और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को हटाना शुरू कर दिया था। बताया जा रहा था कि इन्हीं इमारतों से पत्थर बरसाए गए थे। अब पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए वहां इमारतों को बुलडोजर से ढहाने पर रोक लगा दी है। प्रशासन का दावा है कि अब तक सैंतीस जगहों पर साढ़े सत्तावन एकड़ जमीन से अवैध निर्माण हटा दिए गए हैं। नूंह में अब तक एक सौ बासठ स्थायी और पांच सौ इक्यानबे अस्थायी निर्माण गिराए जा चुके हैं। प्रशासन अब भी अपने फैसले पर अडिग है कि मेवात इलाके में सारे अवैध निमार्णों की पहचान की जा रही है और उन्हें गिराया जाएगा। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों से दंगा फैलाने वालों, दूसरे तरह के अपराधों में

शामिल लोगों को दंडित करने का यह चलन चल पड़ा है कि उनके मकान-दुकान पर बुलडोजर चला कर ध्वस्त कर दिया जाता है। यह चलन सबसे पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने शुरू किया था। उसकी नकल में मध्यप्रदेश सरकार ने भी आपराधिक तत्त्वों पर नकेल कसने का यह तरीका अपना लिया। अब हरियाणा सरकार भी उसी रास्ते पर चल चुकी है। सरकारी जमीन पर कब्जा करके किसी भी प्रकार के निर्माण को जायज नहीं ठहराया जा सकता। उसे कानूनन ध्वस्त करने का सरकार के पास अधिकार है। मगर इस तरह बुलडोजर चलाने को लेकर सवाल इसलिए उठने लगे हैं कि प्रशासन को किसी अवैध निर्माण के बारे में तभी जानकारी क्यों मिलती है, जब वहां दंगा भड़क उठता है या कोई बड़ा अपराध हो जाता है। हालांकि दूसरी सरकारों की तरह हरियाणा सरकार का भी कहना है कि जिन लोगों ने नूंह में अवैध कब्जा करके निर्माण कार्य किए थे, उन्हें पहले ही नोटिस भेजा जा चुका था। मगर फिर भी यह तर्क गले नहीं उतरता कि उन्हें ढहाने के लिए बुलडोजर तभी क्यों चले, जब धार्मिक यात्रा पर पत्थर बरसे और हरियाणा के अलग-अलग शहरों में सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया। आखिर इतने बड़े भूखंड पर इतने सारे अवैध निर्माण रातोंरात तो हो नहीं गए होंगे। ऐसा भी नहीं माना जा सकता कि इससे पहले वे निर्माण प्रशासन की नजर में नहीं रहे होंगे। यह भी छिपी बात नहीं है कि सरकारी भूखंडों पर ज्यादातर कब्जे सरकारी अमले की मिलीभगत से होते हैं। ऐसे में अगर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने अभी चल रहे विध्वंस पर रोक लगाई है, तो उसके सवालों का जवाब देना प्रशासन के लिए आसान नहीं होगा। अवैध निर्माण गिराने के ऐसे अभियानों में कई शिकायतें ऐसी आईं, जिनमें उन भवनों पर भी बुलडोजर चला दिया गया, जिनमें किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण नहीं हुआ था। मध्यप्रदेश में तो एक शिकायतकर्ता ने कहा कि उसे मकान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिला था। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

संवेदनहीनता

उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में दो बच्चों पर जिस तरह के अत्याचार की घटना सामने आई है, वह किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को दहलाने वाली है। इससे यही साबित हुआ है कि एक ओर कानून और पुलिस का खौफ लोगों में नहीं रह गया है, वहीं समाज में ऐसी प्रवृत्तियां मजबूत हो रही हैं, जिसमें इंसान अपना विवेक गंवा रहा है और किसी मामूली बात पर भी प्रतिक्रिया करते हुए बेरहमी की सारी हदें पार कर रहा है। सिद्धार्थनगर में डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के कनकटी चौराहे के पास कुछ लोगों ने दो बच्चों को चोरी के आरोप में पकड़ा और उन्हें मारना-पीटना शुरू कर दिया। लोगों की क्रूरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने दोनों बच्चों के निजी अंगों में मिर्च डाल दी, पेट्रोल का इंजेक्शन लगा दिया और जबरन पेशाब पिलाया। सिर्फ इतने से इस घटना के दौरान बच्चों की दशा के बारे में समझा जा सकता है। दोनों बच्चे गिड़गिड़ाते, पीड़ा से चीखते और बचाने की गुहार लगाते रहे, लेकिन लोगों ने उन्हें बर्बरता से पीटना जारी रखा। विडंबना है कि पिछले हफ्ते हुई इस बर्बरता के बारे में खुद पीड़ित बच्चों के परिजनों को भी तब पता चला, जब इस घटना का वीडियो बहुत सारे लोगों तक पहुंच गया। उसके बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। दरअसल, पीड़ित बच्चे इतने डर और सदमे में चले गए थे कि उन्होंने अपने घर में भी नहीं बताया था। ऐसा लगता है, मानो यह किसी मध्ययुगीन समाज की घटना है, जहां न किसी को कानून की फिक्र है, न यह याद रखना कि आखिर वे इंसान हैं और किसी सभ्य समाज में ऐसे अराजक और बर्बर बर्ताव की जगह नहीं हो सकती। भीड़ की शक्ल में मौजूद जो लोग उन दोनों बच्चों के खिलाफ ऐसा कर रहे थे, आखिर किन वजहों से उन्हें एक बार भी यह सोचना जरूरी नहीं लगा कि अगर उन बच्चों पर चोरी का आरोप है तो इसकी जांच करना पुलिस का काम है। अगर बच्चों ने ऐसा किया भी था तो उनके खिलाफ की गई ऐसी बर्बरता क्या सीधे-सीधे लोगों की विवेकहीनता, कुंठा और अराजकता का सबूत नहीं है। दरअसल, आम लोगों में कई स्तरों पर जागरूकता और संवेदनशीलता का पर्याप्त विकास नहीं हो पाया है। किसी मामले में अपराधी अगर ताकतवर और रसूख वाले होते हैं, तब ज्यादातर लोग डर की वजह से और इस तर्क पर चुप्पी साध लेते हैं कि उनके खिलाफ कानून अपना काम करेगा। लेकिन अगर किसी आपराधिक घटना के महज आरोप में कोई कमजोर व्यक्ति पकड़ में आ जाता है तो उसे खुद सजा दे डालने पर उतारू हो जाते हैं। यह कानून के शासन के साथ-साथ अपने विवेक को भी ताक पर रखना है। हिंसक और अराजक भीड़ के साथ शामिल होकर किसी को सजा देने का खयाल पालने वाला व्यक्ति अपना विवेक खोकर अराजक तो हो जाता है, लेकिन उसके अंजाम के बारे में नहीं सोच पाता कि एक ओर वह अपनी इंसानियत खो रहा है, तो दूसरी ओर वह खुद कानून के कठघरे में खड़ा होगा। इसके अलावा, सरकार के कानून के राज का दावा करने और जमीनी हकीकत में फर्क है। सिद्धार्थनगर में दोनों बच्चों के साथ हुई बर्बरता ने सरकार, शासन, समाज के रवैये और लोगों के बीच तेजी से बढ़ती विवेकहीनता और संवेदनहीनता से जुड़े कई गहरे सवाल उठाए हैं।

व्यक्ति अपना मूल्य समझे: श्याम सुंदर गोस्वामी

जयपुर. शाबाश इंडिया

व्यापार मंडल मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण,बाई जी के बैनर तले बड़ी चैपड़ स्थित बड़ी चोपड़ स्थित मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण बाई में चल रहे श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव में बुधवार को व्यासपीठ से वृंदावन नंदगांव के परम पूज्य श्याम सुंदर गोस्वामी जी ने कहा कि जीवन में कितना भी धन ऐश्वयं की सम्पन्नता हो लेकिन यदि मन में शान्ति नहीं है तो वह व्यक्ति कभी भी सुखी नहीं रह सकता। वहीं जिसके पास धन की कमी भले ही हों सुख सुविधाओं की कमी हो परन्तु उसका मन यदि शान्त है तो वह व्यक्ति वास्तव में परम सुखी है। यह हमेशा मानसिक असंतुलन से दूर रहेगा। कथा प्रसंग मे परम भक्त सुदामा चरित्र पर

प्रकाश डालते हुए गोस्वामीजी ने कहा कि श्रीसुदामा जी के जीवन में धन की कमी थी, निर्धनता थी लेकिन वह स्वयं शान्त ही नहीं परम शान्त थे। इसलिए सुदामा जी हमेशा सुखी जीवन जी रहे थे,क्योंकि उनके पास ब्रह्म (प्रभुनाम) रूपी धन था। धन की तो उनके जीवन में न्यूनता थी परन्तु नाम धन की पूर्णता थी। हमेशा भाव से ओत प्रोत होकर प्रभु नाम में लीन रहते थे। उनके घर में वस्त्र आभूषण तो दूर अन्न का एक कण भी नहीं था। जिसे लेकर वो प्रभु श्री द्वारिकाधीश के पास जा सकें,परन्तु सुदामा जी की धर्म पत्नी सुशीला के मन में इच्छा थी, मन में बहुत बड़ी भावना थी कि हमारे पति भगवान श्री द्वारिकाधीश जी के पास खाली हाथ न जाए। सुशीला जी चार घर गई और चार मुट्ठी चावल मांगकर लाई और वही चार मुट्ठी चावल को लेकर श्री सुदामा जी प्रभु श्री द्वारिका धीश जी के पास गए। और प्रभु ने उन चावलों का भोग बड़े ही भाव के साथ लगाया। उन भाव भक्ति चावलों का भोग लगाकर प्रभु ने यही कहा कि हमारा भक्त हमें भाव से पत्र पुष्प, फल अथवा जल ही अर्पण करता है, तो में उसे बड़े ही आदर के साथ स्वाकार करता हूँ। प्रभु ने चावल ग्रहण कर श्री सुदामा जी को अपार सम्पत्ति प्रदान कर दी। उन्होंने आगे कहा कि इस पावन सुदामा प्रसंग पर सार तत्व बताते हुए समझाया कि व्यक्ति अपना मूल्य समझे और विश्वास करे कि हम संसार के सबसे महत्व पूर्ण व्यक्ति है। तो वह हमेशा कार्यशील बना रहेगा।

सखी गुलाबी का वेट एंड वाइल्ड कार्यक्रम 11 अगस्त को

जयपुर. शाबाश इंडिया

सखी गुलाबी का वेट एंड वाइल्ड कार्यक्रम 11 अगस्त को होगा। अध्यक्ष सारिका जैन के अनुसार ग्रुप की लगभग 250 महिला सदस्य ए सी बसों से प्रातः 7.30 बजे जयपुर से रवाना होकर अचरोल स्थित जैन मंदिर पहुंचेगी जहां पर दर्शन के पश्चात रवाना होकर दोपहर 1 बजे सरिस्का फन सिटी पहुंचेगी । दिनभर वाटर पार्क में मौज मस्ती धमाल करके साय 6.30 बजे रवाना होकर जयपुर वापस आयेंगे। कार्यक्रम के लिए ड्रेस कोड लहरिया रखा गया ।

आजादी की लड़ाई हो या और कोई, जनता ही होती हीरो

जयपुर. शाबाश इंडिया

'आज गांधी जी के विचारों को अपनाने की बहुत जरूरत है। आजादी की लड़ाई सांप्रदायिकता का विरोध और जातिवाद का विरोध जैसे मूल्यों पर टिकी थी। उन मूल्यों पर आज लगातार हमले हो रहे हैं।' यह कहना है लेखक और इतिहासकार अशोक कुमार पांडे का। वह बुधवार को भारत सेवा संस्थान और महात्मा गांधी इंस्टीटूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज की ओर से सेंट्रल पार्क में आयोजित 'अगस्त क्रांति के प्रमुख नायक' विषय पर प्रमुख वक्ता के रूप में बोल रहे थे।

अज्ञान मनुष्य को निराश और पतन के मार्ग पर ले जाता है : महासती प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। अज्ञान शुत्र है,ज्ञान मनुष्य का हितेषी है। बुधवार को अहिंसा भवन शास्त्री नगर मे महासती प्रितीसुधा ने श्रध्दांलूओ को धर्म उपदेश देतें कहा कि अज्ञान मनुष्य को निराश और पतन के मार्ग पर ले जाता है जबकि ज्ञान आत्मिक उन्नति का पर्याय बनकर जीवन समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नयन की आधारशिला रखता है ।ज्ञान मनुष्य को तृप्ति, संतोष, आनंद, शांति व निर्भयता का दान देता है,जबकि मनुष्य का अज्ञान,अतृप्ति,असंतोष, अशांति व जीवन मे भय को जन्म देता है। ज्ञान वो प्रकाश हो जो हमारे जीवन से अंधकार को मिटाता और सत्य का प्रकाश हमे ज्ञान से ही प्राप्त हो सकता है सत्य और असत्य का भेद हमे ज्ञान से मिलेगा । जबकि अज्ञान से जीवन मे अंधकार मिलने वाला है। साध्वी साध्वी संयम सुधा ने कहा कि ज्ञान और अज्ञान जीवन मे नदी के दो तट कि तरह हैं। एक का उद्देश्य जीवन-लक्ष्य की खोज है तो दूसरे का जीवन के लक्ष्य से भटकाव। ज्ञान से पुण्य का उदय होता है, जबकि अज्ञान, पाप व भय को जन्म देता है ।ज्ञान वो दिपक है,जो हमारे जीवन का अंधकार को दूर कर सकता है। अंधकार हमारे जीवन मे अंधकार फैलाता है। निलिष्का जैन बताया कि साध्वी प्रितीसुधा के सानिध्य और अहिंसा भवन के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल, अशोक पौखरना,नवरतन मल बम्ब, हेमन्त आंचलिया,कूशलसिंह बूलिया,रिखबचंद पीपाड़ा, लक्ष्मण सिंह पोखरना,हिम्मत सिंह बाफना, ओमप्रकाश सिसोदिया, सुशील.चपलोत एवं मंजू पोखरना,रजनी सिंघवी,मंजू बापना,वंदना लोढ़ा, अंजना सिसोदिया,रश्मि लोढ़ा,आशा संचेती, सुशीला छाजेड़,उषा बाबेल,लीला कावड़िया,मीना कोठारी,स्मिता पीपाड़ा आदि कि उपस्थित मे रणजीत सिंह द्वारा लिखित धार्मिक पुस्तक ज्ञान कि ज्योति का विमोचन किया गया ।

अमर जैन अस्पताल डब्ल्यूएचसी में डायलिसिस सेंटर का हुआ उद्घाटन

जयपुर. शाबाश इंडिया। वैशाली नगर स्थित अमर जैन अस्पताल डब्ल्यूएचसी में डायलिसिस सेंटर का उद्घाटन आज भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व उपनेता प्रतिपक्ष डॉ.सतीश पूनिया, हॉस्पीटल चैयरमेन डॉ.एसपी भारिल्ल,राजस्थान के राजस्थान के पूर्व मुख्य सचिव सीएस राजन, फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल व फोर्टी यूथ विंग के अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह राघव ने किया। इस मौके पर हॉस्पीटल चैयरमेन डॉ. भारिल्ल ने बताया कि वैशाली नगर में अमर जैन अस्पताल डब्ल्यूएचसी 150 बेड का मल्टीशपेशिलिटी हॉस्पिटल है। इसमें सभी विभागों के उच्च स्तरीय चिकित्सक उपलब्ध है। जयपुर के वैशाली नगर में भारत का पहला 26 बेड का डब्ल्यूएचसी मॉड्यूलर आईसीयू का निर्माण हुआ है। मॉड्यूलर ओटी के साथ जयपुरवासियों को यहां विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं 24 घंटे मिलेगी।

आपत्ति और विपत्तियो मे जो इंसान धर्य रखता है वही व्यक्ति संसार मे बुलंदियों को छूता है: महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। जिंदगी मानव का इम्तिहान लेती है। बुधवार साहूकार पेठ मे महासती धर्मप्रभा ने सैकड़ों श्रध्दांलूओ को धर्मसंदेश देतें हुए कहा कि आपत्ति और विपत्तियो मे जो इंसान धर्य रखता है वही व्यक्ति संसार मे बुलंदियों को छूता है। समय चाहे कितना भी खराब और बुरा हो पर अपने धैर्य को खोना नहीं चाहिए। मनुष्य के इरादे नैक है तो जीवन मे कितने भी संकट और विपत्ति आ जाए लेकिन धैय और साहस रखने वाला व्यक्ति कभी भी अपना हौसला नहीं खोयेगा।धैर्य ही मनुष्य को जीवन में सभी बाधाओं को पारकर सफलता के सोपान पर ले जाने में सहायक बनता है। इंसान के जीवन मे जितनी भी विपत्तिया और संकट जो आते वह कर्मो के आधार पर ही आते है। जीवन में संघर्ष ना हो तो मनुष्य विपत्तियो

और संकटों से मुकाबला करना नहीं जान सकता है। दुःख और विपत्तिया को जो झेल सकता है वो इंसान जीवन मे कितने भी संकट आ जाए वो मरना नहीं चाहेगा। परन्तु परेशानियों से घबरा करके मृत्यु को जो गले लगा लेता है, ऐसे व्यक्ति को परमात्मा के वहा पर भी शरण नहीं मिलती है क्योंकि जीवन एक संघर्ष वही इंसान जीत सकता हो जो संघर्ष और बाधाएं आने पर अपने धैर्य को नहीं खोता है वही इंसान संसार मे महान बनता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि विपत्ति में यदि धीरज के साथ काम लिया जाये तो विपदा स्वतः दूर हो जाएगी।बुरा समय व्यक्ति के धैर्य, प्रतिभा, ज्ञान व नैतिकता की परीक्षा लेता है। इस विपत्ति और संकट की परीक्षा मे वही व्यक्ति पास होता है जो धैर्य सूझबूझ के आगे बढ़ता है वही सफलताओं का स्पर्श कर सकता है ।धैर्य विहीन व्यक्ति सदैव विचलित रहता है, और जो व्यक्ति धर्म से जुड़ा हुआ रहेगा वह जीवन मे कितनी भी बाधाएं संकट आ जाऐ मुश्किल हालातो में भी धैर्य से समस्याओं का निदान खोज सकता है। इसदौरान धर्मसभा में बैगलोर,महाराष्ट्र राजस्थान आदि क्षैत्रो और के अलावा सिरकाली से प्रदीप गादिया धोबीपेट से ललित मकाणा,सोजतसिटी से पदमचंद थोका तथा चैन्नाई श्री मिश्री रूप सुकन जैन महिला मंडल की अध्यक्षा सुशीला कोठारी,बाबी कोठारी, मधु कोठारी आदि अतिथीयो का श्री एस.एस.जैन साहूकार पेठ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी, कार्याध्यक्ष महावीरचन्द सिसोदिया,हस्तीमल खटोड़,सज्जनराज सुराणा,सुरेश डूगरवाल, रमेश दरडा,बादलचन्द कोठारी, जितेन्द्र भंडारी,शम्भूसिंह कावड़िया,अशोक सिसोदिया, पदमचन्द ललवाणी, महावीर कोठारी आदि सभी पदाधिकारीयो ने अतिथीयो और तपस्विवाओ का धर्मसभा मे सम्मान किया।

जन्माष्टमी पर संकटमोचन हनुमान मंदिर पर रामसेतु की झांकी रहेगी आकर्षण का मुख्य केन्द्र

मंदिर पर सजेगी 25 से अधिक विद्युतचलित झांकिया, कृष्ण लीलाओं के साथ मिलेंगा सामाजिक संदेश

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी पर्व 7 सितम्बर को धर्मनगरी भीलवाड़ा में भक्तों के लिए यादगार व खास बनाने के लिए मुख्य डाकघर के पास स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर पर विशेष तैयारियां की जा रही है। उल्लास एवं उत्साह से भरे माहौल में महन्त बाबूगिरीजी महाराज के सान्निध्य में मनाए जाने वाले जन्माष्टमी पर्व पर भीलवाड़ा शहर में पहली बार रामसेतु की 60 फीट लंबी झांकी आकर्षण का मुख्य केन्द्र रहेगी। इनके साथ ही जन्माष्टमी पर मंदिर में 25 से अधिक विद्युतचलित झांकिया मुख्य आकर्षण होंगी। इन झांकियों के माध्यम से भगवान कृष्ण के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का चित्रण होने के साथ विभिन्न सामाजिक संदेश भी प्रदान किए जाएंगे। इनमें विक्रम वेताल व मोगली की झांकियां भी आकर्षण का केन्द्र होगी। अधिकांश झांकिंया हवा में उड़ती हुई दिखेगी जो भक्तों को आकर्षित करेंगी। पिछले कुछ वर्षो से भीलवाड़ा शहर में जन्माष्टमी पर मुख्य आकर्षण संकटमोचन हनुमान मंदिर पर मनाया जाने वाला कृष्ण जन्मोत्सव ही रहता है। यहां हर वर्ष जन्माष्टमी पर दर्शन के लिए हजारों कृष्ण भक्तों का सैलाब उमड़ता है। महन्त बाबूगिरीजी ने बताया कि जन्माष्टमी पर फूलों से एवं रंग-बिरंगी रोशनी से मंदिर पर आकर्षक सजावट करने के साथ हनुमानजी महाराज के डायमंड का चोला चढ़ाया जाएगा। जन्माष्टमी पर प्रदर्शित की जाने वाली रामसेतु सहित विभिन्न झांकिया आगरा, दिल्ली व मथुरा से आने वाले 20 से अधिक कलाकारों द्वारा तैयार की जाएगी। जन्माष्टमी पर गोलप्याउ चौराहे से नगर परिषद चौराहे तक आकर्षक रोशनी एवं सजावट होंगी। शाम 5 बजे से झांकियों का दर्शन शुरू हो जाएगा एवं बाल गोपाल भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मध्यरात्रि में मनाया जाएगा। जयकारों के बीच भगवान लड्डु गोपाल का पंचामृत से अभिषेक कर पंजीरी व माखन-मिश्री का भोग लगाया जाएगा। महंत बाबूगिरीजी महाराज ने बताया कि जन्माष्टमी महोत्सव को भव्य एवं यादगार तरीके से मनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। गोलप्याउ चौराहा से लेकर नगर परिषद चौराहा तक रंग-बिरंगी रोशनी के बीच मंदिर परिसर को फूलों से सजाया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने में समाज के सभी वर्गों एवं भक्तजनों से भी सहयोग प्राप्त हो रहा है।

श्रद्धांजलि

हमारे परम अध्यक्ष

श्री महेन्द्र कुमार जी पाटनी

(बापू नगर निवासी)

के आकस्मिक निधन पर हम

विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनतः प्रो. नेमीचन्द जैन, डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन, निर्मल कुमार संघी, सीए. वी.के. जैन, सतीश बाकलीवाल, ज्ञानचन्द झांझरी, डॉ. ज्ञानचन्द सौगानी, सीए. शांतिलाल गंगवाल, राजेश बड़जात्या, महावीर कुमार जैन (झागवाले), एस.के. पाटनी, सुरेन्द्र कुमार मोदी, राजीव जैन (गाजियाबाद), प्रदीप कुमार जैन, महेन्द्र कुमार छाबड़ा, रमेश चन्द बोहरा, हीराचन्द वैद, धनु कुमार जैन, मनीष वैद, संजय पाटनी, शान्ति कुमार पाटील, अभिषेक जैन छाबड़ा, सुरीला सेठी, वीणा जैन

दिगम्बर जैन समाज बापू नगर सम्भाग

श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय वरिष्ठ परामर्शक, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन

श्री महेन्द्र कुमार जी पाटनी

के असामयिक देवलोकगमन

पर भावपूर्ण श्रद्धांजली अर्पित करते है।

श्रद्धावनत

श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, राकेश विनायक्या, कमलेश कासलीवाल, विपुल बांझल, अनिल कुमार जैन (IPS), सुरेन्द्र कुमार पाण्डया, नवीन सेन जैन, यश कमल अजमेरा, अतुल बिलाला, राजेश बड़जात्या, निर्मल संघी, सुनील कुमार बज, सुरेश जैन बांदीकुई, पारस कुमार जैन

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर

धर्मपुरा में रचा नया इतिहास, महामस्तकाभिषेक में उमड़े श्रद्धालु

चांदनी चौक किसी तीर्थस्थल से कम नहीं: आचार्य अतिवीर मुनिराज

समीर जैन. शाबाश इंडिया

दिल्ली। राजधानी दिल्ली की हृदय स्थली चांदनी चौक क्षेत्र में लगभग 250 वर्ष प्राचीन श्री दिगम्बर जैन नया मन्दिर, धर्मपुरा मे भव्य समारोह का मंगल आयोजन व्यापक धर्मप्रभावना पूर्वक सानंद संपन्न हुआ। जिनालय के इतिहास में प्रथम बार मूलनायक श्री आदिनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक एवं शान्तिधारा किया गया जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने सम्मिलित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया। परम पूज्य आचार्य श्री अतिवीर जी मुनिराज एवं गणिनी आर्यिका श्री चन्द्रमती माताजी के पावन सान्निध्य व कुशल निर्देशन में आयोजित इस भव्य समारोह में श्रीजी का प्रथम अभिषेक करने का महासौभाग्य नया मन्दिर में ज्यादा-से-ज्यादा अभिषेक करने वाले महानुभावों को प्रदान किया गया. ऐसी अनूठी बोली में दूर-दूर से आए भक्तों ने सहभागिता कर अपनी क्षमतानुसार 1-2-3 साल व आजीवन अभिषेक करने के नियम ग्रहण किए। इस अवसर पर विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने भगवान का अभिषेक करने के वैज्ञानिक कारणों को बताकर सभी को प्रेरित किया। आचार्य श्री ने जिनालय में विद्यमान अपार सकारात्मक ऊर्जा को ग्रहण करने हेतु अभिषेक की महिमा का व्याख्यान किया। चांदनी चौक क्षेत्र में निर्मित विशाल जिनालयों की महत्ता बताते हुए आचार्य श्री ने कहा कि ऐसी संकरी गलियों में इतने भव्य व अतिशयकारी मन्दिर किसी तीर्थस्थल से कम नहीं है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com